

नी अथोक दारुष्वी,
उप समिति
३३५ इति ब्रह्मा ।

३८

१०५४
१०५५ तात्पराकृति विभा परिवेद,
१०५६ विभा २ तात्पराकृति
१०५७ विभा विभाविभा।

संस्कृत अनुवाद

लग्नाः दिवाः २६ अक्टूबर, १९९५

त्रिष्णु :-

विषय:- योग्य व्यापार शास्त्र ग्रन्थ मिहामानिद्वय वैतीता के लिए अधिकारी नियुक्ति देने के सम्बन्ध में।

४८३

उपर्युक्त फिल्म पर कुे यह दृष्टि का विदेश दृष्टि है कि ब्रौह्मन जान अमृत बाल दृष्टि गण्डर राजा राजीव को गोठधीर स्थापित वर्धि दिल्ली के तमस्ता प्रदान किए जाने में इन राज्य तराजर की निनाःलित प्रतिक्रियाओं के उचित आपत्ति नहीं हैं :-

111 विद्युतात्मा जो पैदा हुए तोतापटी वा समय समय दर नहींनीकरण कराया जाएगा ।

१२१ विद्यालय औ पुस्तक समिति में विद्या विभाग द्वारा नार्यका एवं
महिलाओं द्वारा उपर्युक्त होगा।

१३४ विद्यालय में कम हो जाने पर उत्तीर्णता रवान अनुसूचिताति/अनुसूचित क्रियाति के बच्चों के लिए सुरक्षित रहने जौर उनसे उद्दल प्रटेक्शन शाध्यपिक लिखा गारब्द इकाई नेतृत्वात् विद्यालयों में विभिन्न क्रांति के लिए विभागित होकर ते उपरिलिखक गढ़ों लिपा जाएगा ।

੫੧ ਹੋਣਾ ਇਕਾਰ ਰਾਖ ਪਰਕਾਰ ਲੈ ਕਿਸੀ ਜੁਤਾਨ ਦੀ ਸੱਥ ਨਹੀਂ ਕੰਢ
ਗਾਵੇਗੀ ਅੰਤ ਪਿਛੇ ਪੂਰ੍ਬ ਲੈ ਬਿਦਿਆਤ ਮਾਧਿਅਤਿਕ ਸਿਖ ਪਰਿਵਰਤ ਕੇ /
ਕੋਈ ਸਿਖ ਪਾਰਥਿਵ ਨੇ ਮਾਨਸਾ ਤ੍ਰਾਪਤ ਲੈ ਗਿਆ ਤਾਂ ਕਿ ਸਮਝੂ
ਭੇਦੀਂ ਕਾਨੂੰਨੀਂ ਸਿਖ ਪਾਰਥਿਵ/ਕੋਈ ਕਾਰ ਲਿ ਟਿਕਿਰ ਸ਼ਕਤੀ ਮਈ
ਕਿਲੋਂ ਹੁਕਮਾਨੀਂ ਸਾਡੇ ਦਿਲਕੀ ਤ੍ਰਾਪਤ ਹੋਂਦੀ ਉਤੇ ਤੇ ਤੇ ਤੇ ਪਈਆਂ
ਪਾਰਥਿਵਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਤ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣੇ ਵੀ ਸਿਖ ਦੇ ਪਾਰਥਿਵ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦਾ
ਰਾਖ ਪਰਕਾਰ ਹੈ ਜੁਤਾਨ ਸ਼ਕਤੀ ਸ਼ਕਤੀ ਦੀ ਬਾਧੇਗੀ ।

151 श्रीकृष्ण के लिये वर्षीय विजितर वर्षाकार्यों को दाना द्वारा खाली प्राप्ति
विश्व विभागों के वर्षाकार्यों से अनुमन्य वेतनमानों तथा अन्य गतों
से काम देना वास्तविक वर्षीय व्रद्धि की नीति दिये जानी है।

३६। अविद्यारहि ते तेषां यां व्याधों जापेद्या त्वं तु त्वं स्वाधूता प्राप्ता
मांशमनीय उच्चतर गाहृप्रिक विद्यात्मयों के कर्मचारियों का अनुग्रह-
भेदा निवृति का तात्पुर उपलब्ध कर्यापै जायें ।

~~21 May 2000~~


Principal
M.L.Sah Bal Vidya Mandir
NAINITAL

३७५ । इसको दूर कर देवारा सम्पूर्ण क्षमता दद नहीं हो जाती बिल्कुल जिसे शासन अधिकारी उपराज्य कानून बनाता है ।

३१। विद्युतीय का रिकार्ड निर्धारित उपलब्धि को ही भै रहा जाएँगे ।
 ३२। उपलब्धि अर्थों पर इन स्वतंत्रता के एवं विशेषताओं के बिना छोड़ दिये जाएँगे।

२- प्रतिक्षम्य गद्वासी दोषा कि तन्मता दिये जाने के पूर्व यह दुष्प्रियित
विधा जाप्त रहे -

३१३ विद्यालय में कार्यरत स्पष्ट संस्थान/कार्यालयों की त्रुटिहीन लकड़ा
झड़ी है।

१२६ कार्यरत अधिकारी व उनके दो मासिकानुसूचि निपटिका और इनके भारपूर से दिला था रहा है।

१३२ विद्यालय में वार्षिक कर्मचारियों की तेज़ विषयावधी तीव्रता
सहित गई दिलाई की पुक्षा विषयावधी के अन्तर्थ खारी थी।

३५। पंजीकरण तथा काशन समी के निषिद्ध एवं ऐसी इुल्लंघन समी निषिद्ध हो रहा है।

उस दृष्टिकोण से जो वालन हरना चाहिए है तो उस अविभागी ही वा उस वर्गीकरणी सम्बन्ध यह पांगा ज्ञाना है कि लेखा द्वारा उस दृष्टिकोण से वालन नहीं किया जा सकता है तब तो उस अविभागी करने में जिसी प्रकार की व्युक्ति इच्छिता बरती जा रही है तो राज्य तत्त्वात् द्वारा प्रदत्त जनापालित पुस्तक सभा कायम हो जायेगा ।

三

अमृत शीर्षो
उप तिष्ठेत् ।

૧૦૮

१११/१५-७-१९९५ लद्दाखीक

ਇਹਿ ਇਹਿ ਨਿਮਤਿਬਿਤ ਦੀ ਸੁਕਾਰੰਥੀ ਵੰਡ ਪਾਖਦਲ ਰਾਈਂਦਾ ਹੈ ਭੇਟ੍ਟ

- 1- ਸਿੰਘ ਨਿਕੇਲ, ਤੁਲਾਰ ਪ੍ਰਾਈਸ਼ੇਅਰ ਮਹਿਸੂਸ ।
 - 2- ਗੁਰਦਾਤਾਂ ਤੁਵ ਸਿੰਘ ਨਿਕੇਲ ਕੁਗਾਰੂ ਲਾਡਾਂ ਮੈਨੀਤਾਨ ।
 - 3- ਚਿਤਾ ਬਿਲਾਤਾਵ ਸਿਰੀਪਲ ਮੈਨੀਤਾਨ ।
 - 4- ਸਿਰੀਪਲ, ਝੌਥਾ ਮਾਰਲੀਂ ਪਿਲਾਕਧ ਤੁਲ੍ਹੁਠ ਮਹਿਸੂਸ ।
 - 5- ਪ੍ਰਾਈਸ਼ੇਅਰ, ਗੋਟਾ ਤੁਲ ਭਾਣ ਵਾਲ ਪਿਲਾਕ ਸੱਤਿਲੁਰ ਮੈਨੀਤਾਨ ।

47

**M.L. Sah Bal Vidya Mandir
Nainital**


Principal
M.L.Sah Bal Vidya Mandir
NAINITAL